

अमरुद में लगने वाले : प्रमुख रोग व कीट, लक्षण एवं रोकथाम

कृषि कुंभ (अगस्त, 2023),
खण्ड 03 भाग 03, पृष्ठ संख्या 78-81



अमरुद में लगने वाले : प्रमुख रोग व कीट, लक्षण एवं रोकथाम

श्याम नारायण पटेल¹, आशीष कुमार वर्मा² एवं डॉ. रमेश चन्द्र³

¹शोध छात्र (पादप रोग विज्ञान), ²शोध छात्र (शस्य विज्ञान),

³ सह-प्राध्यापक (पादप रोग विज्ञान),

आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ०प्र०), भारत।

Email Id: patelshyamnarain@gmail.com

अमरुद का उखटा रोग :

अमरुद (गोया, पेरुवा, गोआ फ्रूट) का उखटा रोग एक प्रमुख पेड़ी बीमारी है जिसे गोया फ्रूट फ्लाईर (ळवलं तिनपज सिल) नामक कीट जोतती है। यह एक कीट होती है जो अमरुद के फलों पर प्रभावित होती है और उनमें अंडे रखती है। जब ये अंडे बढ़कर कीटों में परिवर्तित होते हैं, तो वे अमरुद के फलों को खाने के लिए खोदने लगते हैं। इसके परिणामस्वरूप, अमरुद के फलों पर गहरे लाल या पीले रंग के छोटे छाले दिखाई देते हैं और ये फल उखटा रोग के संकेत होते हैं।

यदि अमरुद का पेड़ उखटा रोग से प्रभावित हो जाता है, तो कुछ सामान्य लक्षण हो सकते हैं, जैसे:

1. फलों पर छोटे, गहरे लाल या पीले रंग के छाले या दाग दिखाई देना।
2. फलों का आकार सामान्य से छोटा हो सकता है।
3. फल की गुणवत्ता कम हो सकती है और यह अच्छी तरह से पका नहीं हो सकता है।
4. फल के अंदर कीट की वजह से गला हुआ और बर्बाद हो सकता है।
5. छोटी जंगली कीटों की मौजूदगी, जो फल के आसपास उड़ती हैं, दिखाई दे सकती है।

अगर आपके अमरुद के पेड़ पर उखटा रोग है, तो आप निम्नलिखित उपाय करके समस्या को कम कर सकते हैं:

1. प्रभावित फलों को तुरंत हटा दें और उन्हें नष्ट करें।
2. अवसादी, दुर्गंधात्मक पदार्थों को फेंकें जो कीटों को आकर्षित करते हैं।

3. पेड़ के आसपास गोया फ्रूट फ्लाईर के लिए जाल रखें ताकि कीटों को पकड़ा जा सके।

4. गोया फ्रूट फ्लाईर के नियंत्रण के लिए पेड़ीय कीटनाशकों का उपयोग करें, लेकिन सुनिश्चित करें कि आप प्रकृतिगत उपायों का प्रयोग कर रहे हैं जो पर्यावरण को कम नुकसान पहुंचाते हैं।

यदि अमरुद के पेड़ पर उखटा रोग बहुत गंभीर है और यह सामान्य उपायों से ठीक नहीं हो रहा है, तो आपको किसानों विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए जो आपको और अधिक सलाह और निर्देश दे सकेंगे।

अमरुद का फल सड़न रोग :

अमरुद के फल का सड़न रोग जिसे अंग्रेजी में "तिनपज तवज" कहा जाता है, एक प्रमुख फलों की बीमारी है जो कई कारणों से हो सकती है। यह बीमारी फलों के पाक में कमजोरी या गड्ढे का कारण बनती है, जिससे फलों का काला रंग हो जाता है और वे पिघल जाते हैं। यह बीमारी मौसम के परिवर्तन, तापमान, नमी, उम्बरण या कीटों के हमले के कारण विकसित हो सकती है।

अमरुद के फल के सड़न रोग के लक्षण निम्नलिखित हो सकते हैं:

1. फलों का काला रंग होना और शीतल हो जाना।
2. फलों की ऊपरी परत का पतन और पड़ना।
3. फलों की गहरी गड्ढों का उद्भव होना और विकसित होना।
4. फलों का मांसपेशियों का पिघलना और कच्चेपन का अनुभव होना।

यदि आपके अमरुद के फलों पर सड़न रोग है, तो निम्नलिखित उपायों को अपनाने से इसकी रोकथाम की जा सकती है:

1. प्रभावित फलों को तुरंत हटा दें और उन्हें नष्ट करें।
2. अमरुद के पेड़ की पर्यावरण स्वच्छता का ध्यान रखें और उपयुक्त
 1. जंगली कीटनाशकों का उपयोग करें।
 2. अमरुद के पेड़ को स्वस्थ रखने के लिए नियमित रूप से पौधा कीटनाशकों का उपयोग करें।
 3. उचित दवाओं का उपयोग करें, जैसे फंगीस्टैट या फंगिसाइड, जो फलों की सड़न रोग पर प्रभावी हो सकती हैं।
 4. अमरुद के फलों की सही पोषण और समय पर पानी प्रदान करें, जिससे फलों का विकास सही रूप से होता है और उनमें सड़न रोग की संभावना कम होती है।

यदि अमरुद के फलों का सड़न रोग सामान्य उपायों से ठीक नहीं हो रहा है, तो स्थानीय कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित होगा, जो आपको अधिक विस्तृत और समर्थन प्रदान कर सकते हैं।

अमरुद का भूरा धब्बा रोग :

अमरुद का भूरा धब्बा रोग एक पादपों का रोग है जो अमरुद पेड़ों को प्रभावित कर सकता है। यह रोग फंगल संक्रमण के कारण होता है और प्राथमिक रूप से पत्तों पर प्रभावित होता है। यह रोग अमरुद के पेड़ों की उत्पादकता को कम कर सकता है और पौधे को कमजोर बना सकता है।

अमरुद के भूरे धब्बे रोग के लक्षणों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

1. पत्तों पर छोटे भूरे-नारंगी रंग के धब्बे दिखाई देते हैं। ये धब्बे पहले से ही पत्तों पर मौजूद हो सकते हैं या फिर नए धब्बे उत्पन्न कर सकते हैं।
2. धब्बों के चारों ओर छोटी सफेद फफूंदी जमा हो सकती है जो विकास करके काली हो जाती है।
3. पत्तों की सूखी पड़ी जड़ों पर अमरुद के धब्बे पाए जा सकते हैं।
4. धब्बे बढ़ते ही रजों में कटने की संभावना होती है और इससे पत्तों की गिरावट हो सकती है।

यदि आपके अमरुद के पेड़ पर भूरे धब्बे के लक्षण दिखाई दे रहे हैं, तो आपको कुछ उपाय अपनाने चाहिए:

1. प्रभावित पत्तों को निकाल दें और उन्हें नष्ट करें। इससे रोग का प्रसार कम होगा।
2. पेड़ की देखभाल करें, जैसे कि नियमित रूप से प्रभावित पत्तों को काटना और उचित खाद का उपयोग करना।
3. फंगसाइड का उपयोग करके रोग के प्रसार को रोकने के लिए पेड़ को सुरक्षित रखें। इसके लिए आपको स्थानीय उद्यानिकी विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए।

इसके अलावा, बेहतर होगा कि आप अपनी स्थानीय कृषि विभाग से संपर्क करें और वे आपको इस रोग के नियंत्रण और उपचार के बारे में अधिक जानकारी प्रदान कर सकें।

अमरुद का शैवाल वर्ण रोग :

अमरुद के शैवाल वर्ण रोग को "अमरुद लीफ क्रिंकल डिजीज" या "अमरुद लीफ स्पॉट डिजीज" भी कहा जाता है। यह एक पेड़ पौधों की संक्रमित होने वाली बीमारी है जो अमरुद के पत्तों पर दाग या छाले के रूप में प्रकट होती है। अमरुद लीफ क्रिंकल डिजीज का कारण अमरुद पर पानी की अधिकता, अधिक आर्द्रता और मृदा की निर्मलता के कारण संक्रमण होता है। यह फंगल संक्रमण के कारण होता है और अमरुद की पत्तियों को प्रभावित करता है। इसके परिणामस्वरूप, पत्तियों पर छोटे गहरे हरे या शैवाल रंग के छाले बन जाते हैं।

इस रोग को नियंत्रित करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं:

1. पौधे के नियमित रूप से सिंचाई करें, लेकिन भीगे हुए मृदा की संचयनी को बचाएं।
2. पौधे के नीचे संक्रमित पत्तियों को हटा दें और उन्हें सुखियों में नष्ट करें।
3. बागवानी के विशेषज्ञ से सलाह लें और फंगसाइड का उपयोग करें जो इस रोग के खिलाफ प्रभावी हो सकता है।
4. पौधे को स्वस्थ रखने के लिए उपयुक्त पोषक तत्वों का उपयोग करें।

यदि आपके पौधे को यह रोग है तो बेहतर होगा कि आप स्थानीय बागवानी के विशेषज्ञ से सलाह

लें, जो आपकी स्थिति के अनुसार उपयुक्त उपचार की सुझाव देंगे।

अमरुद पत्ती धब्बा रोग :

अमरुद के पत्तों पर धब्बे का रोग एक सामान्य पेड़ रोग हो सकता है जिसे "अमरुद का पत्ती धब्बा रोग" के नाम से जाना जाता है। यह एक कुष्ठ रोग होता है जो अमरुद के पत्तियों पर दागे या धब्बे के रूप में प्रकट होता है। धब्बे आमतौर पर पत्ती के नीले या काले रंग के होते हैं और पत्ती को धीरे-धीरे खराब कर सकते हैं।

इस रोग के कुछ मुख्य कारक निम्नलिखित हो सकते हैं:

1. फंगल संक्रमण: यह धब्बा रोग अमरुद पत्तियों पर फंगस के कारण हो सकता है।
2. कीटों की हमला: कुछ कीट अमरुद के पत्तों पर चोट पहुंचा सकते हैं और धब्बे के रूप में प्रकट हो सकते हैं।
3. पेड़ के स्वास्थ्य की कमजोरी: यदि अमरुद का पेड़ स्वास्थ्यशाली नहीं है और पोषण कम है, तो पत्तियों पर धब्बे आ सकते हैं।

इस समस्या का समाधान करने के लिए आप निम्नलिखित उपाय कर सकते हैं:

1. ताजगी की जरूरत: अपने पेड़ के लिए उचित और पूर्ण पोषण सुनिश्चित करें। उत्तम उर्वरकों का उपयोग करें और पानी की सही मात्रा में प्रदान करें।
2. फंगल संक्रमण के लिए कीटनाशकों का उपयोग करें: यदि धब्बे फंगस के कारण हुए हैं, तो आपको कीटनाशक उपयोग करके संक्रमण को रोकने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए कृषि विशेषज्ञ से सलाह लें।
3. कीटों को नियंत्रित करें: अमरुद के पेड़ पर कीटों के हमले को रोकने के लिए उपयोग में आने वाले कीटनाशकों का उपयोग करें। यह आपके प्लांट नर्सरी से उपलब्ध हो सकते हैं।
4. नियमित जांच करें: अपने पेड़ की सेवा के लिए नियमित रूप से जांच करें और किसी भी संक्रमण या कीट संक्रमण के लक्षणों को जल्दी से पहचानें ताकि उन्हें संभाला जा सके।

यदि समस्या गंभीर हो रही है और उपाय आपकी समस्या को हल नहीं कर रहे हैं, तो मैं सलाह

देता हूँ कि आप स्थानीय कृषि विशेषज्ञ या बागवानी विशेषज्ञ से संपर्क करें जो आपको बेहतर और व्यक्तिगत सलाह प्रदान कर सकते हैं।

अमरुद का फल में लगने वाले प्रमुख कीट :

अमरुद का फल मक्खी कीट :

अमरुद (ग्वावा) का फल एक फल है जो मक्खी (और कीटों) के लिए आकर्षक होता है। मक्खी अमरुद के फल के मीठे और मसालेदार स्वाद को पसंद करती है और इसलिए अमरुद के पास बहुत सी मक्खी आती हैं। इसलिए, जब अमरुद के फल पकने शुरू होते हैं, तो इसके चारों ओर बहुत सारी मक्खी आने लगती हैं।

इस समस्या को नियंत्रित करने के लिए कुछ उपाय हो सकते हैं। यहां कुछ आम उपाय दिए जाते हैं:

1. जाल: अमरुद के पेड़ के आस-पास जाल या मक्खी प्रतिरोधी झालर लगाएं। यह मक्खी और कीटों को रोकेगा और अमरुद के फलों को सुरक्षित रखेगा।

2. प्राकृतिक उपचार: अमरुद के पेड़ के निकट रेतीले मिट्टी या खाद का उपयोग करें। इससे पेड़ की सुरक्षा बढ़ेगी और कीटों का प्रभाव कम होगा।

3. नियंत्रण उपकरण: केमिकल कीटनाशकों का उपयोग करें जो मक्खी और कीटों को रोकें। यह विशेष रूप से उन क्षेत्रों में उपयोगी हो सकता है जहां अमरुद की किस्मों को कीटों से ज्यादा हानि होती है। इसके लिए उचित मार्गदर्शन के साथ कीटनाशक का उपयोग करें।

इन उपायों का उपयोग करके आप मक्खी और कीटों के अमरुद पर प्रभावी नियंत्रण कर सकते हैं। यह सुनिश्चित करें कि आप उपयुक्त सावधानियाँ बरतें और नियंत्रण उपायों का पर्याप्त ज्ञान रखें। यदि संभव हो तो स्थानीय कृषि विशेषज्ञ से सलाह लें ताकि आपको सही दिशा निर्देशन मिल सके।

अमरुद का फली बेधक कीट :

आपका उल्लेखित कीट अमरुद के फली (फ्रूट बॉरर) कीट हो सकती है, जो अमरुद के फली में हमला करती है। ये कीट फली को नष्ट करके फल की गुणवत्ता और प्रदर्शन को प्रभावित करती हैं।

अमरुद के फली पर बेधक कीटों का नियंत्रण करने के लिए निम्नलिखित उपायों का पालन किया जा सकता है:

1. फली की साफ-सफाई: अमरुद के पेड़ के फली की साफ-सफाई बेधक कीटों को नियंत्रित

करने का पहला कदम है। अतिरिक्त, अस्वच्छ या संक्रमित फली को हटाएं और उन्हें नष्ट करें।

2. प्राकृतिक नियंत्रण: प्राकृतिक नियंत्रण उपायों का उपयोग करें जैसे कि नीम तेल, नीम पत्ती, प्याज का पेस्ट, लहसुन का पेस्ट आदि। इन्हें फली पर लगाएं या फली के चारों ओर रखें ताकि ये कीटों को रोकें।

3. कीटनाशकों का उपयोग: यदि प्राकृतिक नियंत्रण उपाय सफल नहीं होते हैं, तो कीटनाशकों का उपयोग करें। कीटनाशकों का उपयोग निर्माण के निर्देशानुसार करें और सुरक्षितता नियमों का पालन करें। इसके लिए एक स्थानीय कृषि विशेषज्ञ से सलाह लें।

ध्यान दें कि कीटनाशकों का उपयोग करते समय सावधानी बरतें और उचित संरक्षण के साथ उपयोग करें। इसके अलावा, स्थानीय कृषि विशेषज्ञ से अधिक जानकारी लेने के लिए संपर्क करें, ताकि आपको सही नियंत्रण उपायों की जानकारी मिल सके।

अमरुद का मिलीबग कीट :

अमरुद के पेड़ पर मिलीबग कीट का हमला हो सकता है। ये छोटी सफेद मक्खीवाले कीट होते हैं जो पत्तों के नीचे रहते हैं और पत्तियों के रस को सोख लेते हैं। इसके परिणामस्वरूप पत्तियाँ पीली हो जाती हैं, सूखने लगती हैं और पत्तियों की मरने की स्थिति आ सकती है।

मिलीबग कीटों को नियंत्रित करने के लिए निम्नलिखित उपायों का पालन किया जा सकता है:

1. प्राकृतिक नियंत्रण: प्राकृतिक नियंत्रण उपायों का उपयोग करें, जैसे नीम तेल, नीम पत्ती, लहसुन का पेस्ट, प्याज का पेस्ट आदि। इन्हें पत्तियों पर लगाएं या पेड़ के चारों ओर रखें ताकि ये कीटों को रोकें।

2. जाल: पेड़ के आस-पास जाल लगाएं ताकि मिलीबग कीट आपके अमरुद पेड़ तक पहुंचने से रोकी जा सके।

3. जल-प्रबंधन: अच्छी द्रवता स्तर के लिए पेड़ को अच्छी तरह से पानी दें ताकि पत्तियों पर थैली न बने और मिलीबग कीटों का प्रभाव कम हो सके।

4. कीटनाशकों का उपयोग: यदि प्राकृतिक नियंत्रण उपाय सफल नहीं होते हैं, तो कीटनाशकों का उपयोग करें। कीटनाशकों का

उपयोग निर्माण के निर्देशानुसार करें और सुरक्षितता नियमों का पालन करें। इसके लिए एक स्थानीय कृषि विशेषज्ञ से सलाह लें।

सभी उपायों को समय-समय पर लागू करते रहें ताकि मिलीबग कीटों को नियंत्रित किया जा सके और आपके अमरुद पेड़ को स्वस्थ रखा जा सके।

अमरुद का सूत्रकृमि कीट :

अमरुद पेड़ पर सूत्रकृमि का हमला हो सकता है। सूत्रकृमि कीट एक छोटी पौधों की जड़ों में रहने वाली परजीवी होती है जो पौधों के रोग प्रतिरोधक प्रणाली को नुकसान पहुंचाती है। इसके परिणामस्वरूप पेड़ की विकास रुक जाता है, पत्तियाँ पीली हो जाती हैं, फूलों की गिरावट होती है और फलों की मात्रा और गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

सूत्रकृमि कीटों को नियंत्रित करने के लिए निम्नलिखित उपायों का पालन किया जा सकता है:

1. संयंत्रन के समय चयन: सूत्रकृमि कीटों के प्रति प्रतिरोधी पौधे चुनें। उचित बियाबानी, प्रतिरोधी प्रजातियों या जातियों का उपयोग करें जो सूत्रकृमि कीट के खिलाफ प्रतिरोधी हों।

2. स्वच्छ जमीन: अमरुद के पौधों को स्वच्छ जमीन में लगाएं। बिगड़ी हुई जमीन को सुधारें और स्थानीय कृषि विशेषज्ञ से सलाह लें।

3. परिवार की फसलों की चक्रवृद्धि: अमरुद के पेड़ को एक ही स्थान पर बार-बार न लगाएं। इसके बजाय, परिवार की फसलों की चक्रवृद्धि का उपयोग करें। इससे सूत्रकृमि कीटों का प्रसार कम होता है।

4. अशुद्ध जल का नियंत्रण: पानी की सुविधा के बारे में सावधानी बरतें और शुद्धता को बनाए रखें। संक्रमित पानी का उपयोग न करें।

5. जैविक उपाय: जैविक उपायों का उपयोग करें, जैसे कि नीम केक, प्याज का पेस्ट, गोमूत्र आदि, जो सूत्रकृमि कीटों को नियंत्रित कर सकते हैं।

ध्यान दें कि ये उपाय केवल सूत्रकृमि कीटों के नियंत्रण के लिए हैं और सभी उपायों को समय-समय पर लागू करना आवश्यक होगा ताकि सूत्रकृमि कीटों को नियंत्रित किया जा सके। स्थानीय कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेना भी अच्छा होगा।